बी.ए.प्रथम–वर्ष

राजस्थानी

नोट : राजस्थानी विषय के प्रश्न –पत्र तथा उत्तर का माध्यम राजस्थानी भाषा ही होगा।

छम्ू म्गंउपदंजपवद ैबीमउम

च्ंतज	ज्वजंस छव फण	डंतो मंबी फण	ज्वजंस डंतो
।	10	2	20
ठ	5	7	35
ब	3	15	45
		ज्वजंस	100

प्रथम प्रश्न–पत्र

गद्य

पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें

1. मांझल रात : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत,पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. राजस्थानी एकांकी : सं. गणतिचन्द्र भण्डारी, प्रकाशक, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

   निम्नलिखित नौ एकांकी : बोलावण, देस भगत भामासा, कामरान री आंखड़ल्याँ, आपणौ खास आदमी,मिनखपणौ, डॉक्टर रौ ब्याव, सीहण जाया साव,सम्पादक री मौत,देवता

इकाई

इकाई 1 : व्याख्या (ससन्दर्भ)

(प्रत्येक पाठ्य–पुस्तक से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है।)

इकाई 2 : मांझल रात–आलोचनात्मक प्रश्न–एक

इकाई 3 : राजस्थानी एकांकी–आलोचनात्मक प्रश्न–एक

इकाई 4 : आधुनिक राजस्थानी गद्य सम्बन्धी आलोचनात्मक प्रश्न–एक

इकाई 5 : अनुवाद (हिन्दी से राजस्थानी में)

राजस्थानी कहावतें – मुहावरे

द्वितीय प्रश्न–पत्र

पद्य

पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें

द्रौपदी विनय : रामनाथ कविया,बंगाल हिन्द मण्डल,कलकत्ता

राजस्थानी काव्य संग्रह : सं. डॉ.नारायणसिंह भाटी,प्रकाशक राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी,जोधपुर

इकाई

इकाई 1 : व्याख्या (ससन्दर्भ)

(प्रत्येक पाठ्य–पुस्तक से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है।)

इकाई 2 : द्रौपदी विनय – आलोचनात्मक प्रश्न–एक

इकाई 3 : राजस्थानी काव्य संग्रह – आलोचनात्मक प्रश्न–एक

इकाई 4 : आधुनिक राजस्थानी काव्य सम्बन्धी आलोचनात्मक प्रश्न–एक

इकाई 5 : शब्द शक्तियों का सामान्य परिचय, रस का परिचय,रस की परिभाषा एवं प्रमुख रसों

के नाम

सन्दर्भ ग्रन्थ

नाहटा किरणः आधुनिक राजस्थानी साहित्य, प्रेरणा– स्त्रोत और प्रवृत्तियाँ,चिन्मय प्रकाशन,चौड़ा रास्ता, जयपुर

साकरिया, भूपतिराम : आधुनिक राजस्थानी साहित्य, राजस्थानी सेवा समिति,अहमदाबाद

मिश्र श्रीलालः आधुनिक राजस्थानी काव्य,राजस्थानी साहित्य समिति, बिसाऊ स्वामी, नरात्तमदासः अलंकार पारिजात

स्वामी,नरोत्तमदासः राजस्थानी साहित्य – एक परिचय,ग्रन्थ कुटीर, बीकानेर

बी.ए.द्वितीय–वर्ष

राजस्थानी

नोट : राजस्थानी विषय के प्रश्न –पत्र तथा उत्तर का माध्यम राजस्थानी भाषा ही होगा।

छमू म्गंउपदंजपवद ैबीमउम

च्तंज	ज्वजंस छव फण	डंतो मंबी फण	ज्वजंस डंतो
।	10	2	20
ठ	7	5	35
ब	3	15	45
		ज्वजंस	100

प्रथम प्रश्न–पत्र

गद्य

पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें

राजस्थान के कहानीकार, भाग 2– सम्पादक– दीनदयाल ओझा, प्रकाशक–राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर।

निम्नलिखित 14 कहानियां पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई हैं

कहानी संख्या (2,3,5,8,12,13,16,19,20,22,23,25,29,30)

हूं गोरी किण पीव री– यादवेन्द्र शर्मा ’चन्द्र’,प्रकाशक–राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर

इकाई

इकाई 1 : व्याख्या (ससन्दर्भ)

(प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है।)

इकाई 2 : राजस्थान के कहानीकार, भाग2

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई 3 : हूं गोरी किण पीव री (आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई 4 : राजस्थानी गद्य साहित्य (आलोचनात्मक प्रश्न)

(उद्भव एवं विकास, प्राचीन तथा अर्वाचीन राजस्थानी गद्य विधाओं से सम्बन्धित

आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 : राजस्थानी पर्यायवाची शब्द
राजस्थानी शब्दों के तत्सम रूप एवं तत्सम शब्दों के तद्भव रूप

द्वितीय प्रश्न–पत्र

पद्य

पाठ्य पुस्तकें
पूर्णांक : 100

राजिया रा सोरठा : सम्पादक– नरोत्तमदास स्वामी, नवयुग ग्रन्थ कुटीर, बीकानेर

चेतक : रामसिंह सोलंकी , (उदयपुर)

प्रकाशक : चिराग प्रकाशक, उदयपुर

इकाई

इकाई 1 : व्याख्या (ससन्दर्भ)

(प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक व्याख्या करना अनिवार्य है।)

इकाई 2 : राजिया रा सोरठा (आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई 3 : चेतक (आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई 4 : आधुनिक राजस्थानी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां एवं काव्यधाराओं से सम्बन्धित एक प्रश्न

इकाई 5 : छन्द : दूहा (सभी भेदों सहित), वेलियौ, झमाल।

अलंकार–वैण सगाई (भेदों सहित), उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिश्योक्ति, दृष्टांत, दीपक

संदर्भ ग्रन्थ

नाहटा, किरण : आधुनिक राजस्थानी साहित्य, प्रेरणा स्त्रोत और प्रवृत्तियां, चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

स्वामी नरोत्तमदास : राजस्थानी साहित्य : एक परिचय, नवयुग ग्रन्थ कुटीर , बीकानेर

नाहटा, अगरचन्द : राजस्थानी साहित्य की गौरवपूर्ण परम्परा, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली

साकरिया, भपतिराम : आधुनिक राजस्थानी साहित्य, राजस्थानी सेवा समिति, शाहबाग रोड, अहमदाबाद

मिश्र, श्रीलाल : आधुनिक राजस्थानी काव्य, राजस्थानी साहित्य समिति, बिसाऊ

खारेड़, मेहताबचन्द्र : रघुनाथ रूपक गीतां रो – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी स्वामी, नरोत्तमदास : अलंकार परिजात

बी.ए.तृतीय वर्ष

राजस्थानी

नोट : इस विषय के प्रश्न – पत्रों तथा उत्तर का माध्यम राजस्थानी भाषा ही होगा।

छमू ग्गंउपदंजपवद ैबीमउम

चंतज	ज्वजंस छव फण	डंतो मंबी फण	ज्वजंस डंतो
।	10	2	20
ठ	5	7	35
ब	3	15	45

ज्वजंस

100

प्रथम प्रश्न–पत्र

पद्य

पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तके

1. गोरा बादिल चरित्र : हेमरतन (केवल प्रथम 150 छन्द) सं. मुनि जिन विजय, प्रकाशक– राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।
2. मीरा मुक्तावली : सं. नरोत्तमदास स्वामी, श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा।

इकाई

इकाई 1: व्याख्या (ससन्दर्भ)

(प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक व्याख्या करना अनिवार्य है।)

इकाई 2 : गोरा बादिल चरित्र– आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 3 : मीरां मुक्तावली : आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 : प्राचीन राजस्थानी काव्य रूपों पर एक प्रश्न (रास,फागु, वचनिका,दवावैत, सिलोका,
हरजस, वेली, बारहमासा, हीयाली, कलस, मंगलाचनण)
इकाई 5 : राजस्थानी काव्य –दोष

सन्दर्भ ग्रन्थ

नाहटा, अगरचन्द : प्राचीन काव्यों की रूप परम्परा

प्रभात, छोटेलाल : मीरांबाई, प्रकाशक – हिन्दी ग्रन्थरत्नाकार, बम्बई

द्वितीय प्रश्न–पत्र

राजस्थानी भाषा, साहित्य का इतिहास तथा निबन्ध

अंक विभाजन
पूर्णांक 100

राजस्थानी भाषा
30 अंक

राजस्थानी साहित्य का इतिहास
45 अंक

निबन्ध
25 अंक

निर्धारित विषय

भाषा– राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास, क्षेत्र विस्तार, राजस्थानी भाषा की प्रमुख विशेषताएं विभिन्न बोलियां, व्याकरण (सामान्य ज्ञान)

साहित्य का इतिहास – काल विभाजन, प्रमुख रचनाकार,रचनाएं,प्रवृत्तियां एवं काव्यशैलियां, आख्यान– काव्य, लोकसाहित्य आदि

निबन्ध

इकाई

इकाई 1 : भाषा एवं व्याकरण सम्बन्धी प्रश्न एक–एक

इकाई 2 : राजस्थानी साहित्य का आदिकाल– आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 3 : राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल – आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 : राजस्थानी साहित्य का आधुनिक काल – आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 : निबन्ध

सन्दर्भ ग्रन्थ

नाहटा,अगरचन्दः राजस्थानी साहित्य की गौरवपूर्ण परम्परा, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली
दइया,डॉ.पूनमः राजस्थानी बात साहित्य,राजस्थानी साहित्य अकादमी, उदयपुर।
सांस्कृतिक राजस्थानः प्रकाशक– अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन, कलकत्ता
मनेरिया, डॉ.मोतीलाल : राजस्थानी भाषा और साहित्य,हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
स्वामी,नरोत्तमदासः राजस्थानी का संक्षिप्त व्याकरण,शार्दूल रिसर्च इंस्टीट्यूट,बीकानेर
टासोपा, रामंकरण : मारवाड़ी व्याकरण
लालस, सीताराम : राजस्थानी व्याकरण
ग्रियर्सन : जार्ज ए. : राजस्थानी का सर्वेक्षण (अनुवाद : डॉ. आत्माराम जाजोदिया।)